>

Title: Regarding utilization of funds for the construction of Dr. Bhimrao Ambedkar National Memorial in Delhi.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से भारत सरकार के ध्यान में लाना चाहता हू कि केन्द्र सरकार के अधीन एवं स्वामित्व में संचालित दिल्ली स्थित भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की परिनिर्वाण भूमि (मृत्युस्थली) गत सात वर्षों से बदहाल, सुनसान, अनजान एवं अपमानजनक अवस्था में है। यह परिनिर्वाण स्मारक 26, अलीपुर रोड दिल्ली स्थित है। वर्ष 2003 में एन.डी.ए. सरकार के समय में इस परिनिर्वाण भूमि को निजी व्यक्ति से लगभग 16 करोड़ रुपये में खरीद कर राष्ट्रीय स्मारक घोषित करके तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के हाथों राष्ट्र को समर्पित किया गया था। इसके सम्मानजनक विकास की एक कार्य योजना बनायी गई थी लेकिन केन्द्र में सत्ता परिवर्तन के बाद यू.पी.ए. की सरकार ने इसे भुला दिया। अनेक बार मांग करने के उपरांत भी कोई कार्यवाही नहीं की गई और अभी तक परिनिर्वाण भूमि उपेक्षित पड़ी है।

सभापति महोदय, उल्लेखनीय है कि परिनिर्वाण भूमि देश के दलितों का चौथा धाम है। डॉ. अम्बेडकर की जीवन-स्मृति के चार महत्वपूर्ण स्थान हैं, जो दलितों के चार धाम हैं। पहला-जन्मभूमि, महू-म.प्र., दूसरा-दीक्षाभूमि, नागपुर-महाराष्ट्र, और तीसरी चैत्यभूमि (अंत्येष्ठि स्थल) मुम्बई में है। ये तीनों स्थान सम्मानित हैं जहां लोग बाबा साहेब के लिये प्रार्थना करते हैं व नतमस्तक होते हैं, लेकिन दिल्ली स्थित परिनिर्वाण भूमि पर ऐसा कुछ भी नहीं है। यहां ताले लगे हुये हैं और एक मोमबती भी नहीं जलाई जाती है। बाबा साहेब की परिनिर्वाण भूमि के विकास के मामले में केन्द्र की वर्तमान सरकार पूरी तरह विफल रही है।

सभापति महोदय, मेरा आग्रह है कि इस संबंध में यू.पी.ए.सरकार नींद से जागे और डॉ. अम्बेडकर के इस स्मारक-निर्वाण भूमि के विकास की कार्य-योजना को तत्काल प्रारंभ किया जाये। वहां पर बुद्ध विहार का निर्माण किया जाये। उनके जीवन की वस्तुओं का संग्रहालय बनाया जाये। परिनिर्वाण भूमि को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाये। इसके सम्मानजनक संचालन एवं सुरक्षा की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाये। इसके आगामी विकास हेतु एवं वृहदभूमि की उपलब्धता कराने हेतु इस स्मारक के भवन के आसपास के सभी बंगलों को भारत सरकार द्वारा खरीदकर अधिगृहीत किया जाये एवं इस क्षेत्र में सभी का स्थल बनाकर वहां सौंदर्य एवं गरिमापूर्ण वातावरण का निर्माण किया जाये। प्रतिवर्ष 6 दिसम्बर को परिनिर्वाण भूमि में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाये। दैनिक गतिविधियां संचालित की जायें। महात्मा गांधी जी की दिल्ली स्थित समाधि राजघाट के बराबर परिनिर्वाण भूमि को दर्जा व सम्मान दिया जाये और संसारभर से भारत आने वाले राजनयिकों को सरकार द्वारा इस परिनिर्वाण भूमि पर ले जाकर पुष्प अर्पित कराने का कार्यक्रम चलाया जाये। डॉ. अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धाजलि सभा में देश के महामहिम राष्ट्रपति एवं माननीय प्रधान मंत्री जी उपस्थित हों।

...(व्यवधान) प्रतिवर्ष 6 दिसम्बर को परिनिर्वाण भूमि में शृदांजलि सभा का आयोजन किया जाए।...(व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): महोदय, मैं अपने को इस विषय से संबद्ध करता हूं।